vinetur

ब्रिटेन की जमा-वापसी योजना के संचालक ने पेय कंपनियों को पुराना स्टॉक निकालने के लिए छह महीने दिए

1 अक्टूबर 2027 से पहले बने भरे कंटेनर योजना शुरू होने के बाद भी लोगो, पंजीकरण या 20p जमा राशि के बिना दुकानों में रह सकेंगे।

मंगलवार, 6 अक्टूबर 2026



ब्रिटेन की जमा-वापसी योजना के प्रशासक ने सोमवार को कहा कि अगले साल कार्यक्रम शुरू होने पर पेय कंपनियों को छह महीने की संक्रमण अवधि मिलेगी। इससे नियमों में ऐसे बदलाव को लेकर उठी चिंता कम होगी, जिसके तहत मौजूदा स्टॉक की बिक्री अचानक रोकनी पड़ सकती थी।

योजना संचालित करने वाली संस्था Exchange for Change ने कहा कि 1 अक्टूबर 2027 से पहले उत्पादित भरे हुए पेय कंटेनर उस तारीख के बाद भी बिक्री के लिए रखे जा सकेंगे। इन कंटेनरों को योजना के प्रशासक के यहां पंजीकृत कराने की जरूरत नहीं होगी, उन पर कार्यक्रम का लोगो होना जरूरी नहीं होगा और उन पर 20p जमा राशि भी लागू नहीं होगी,

जो योजना के दायरे में आने वाले कंटेनरों पर पहले दिन से उपभोक्ताओं को चुकानी होगी।

संस्था के अनुसार, इस फैसले का मकसद योजना शुरू होने पर लाखों कंटेनरों को प्रभावित करने वाली "अचानक रोक" से बचना है। इस बदलाव के बिना कंपनियों को कार्यक्रम के पहले ही दिन से नई लेबलिंग और पंजीकरण आवश्यकताओं पर तुरंत अमल करना पड़ता, क्योंकि कानून में कोई रियायती अवधि नहीं थी।

Exchange for Change ने कहा कि वह कारोबारों को "सुचारु बदलाव में मदद के लिए" अप्रैल 2028 तक पुराना स्टॉक बेचकर निकालने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। उसने जोड़ा कि ज्यादातर मामलों में स्टॉक इससे काफी पहले बिक जाना चाहिए, लेकिन अप्रैल की यह तारीख नियामकीय समय-सीमा नहीं है।

घोषणा में कुछ खाली पैकेजिंग के लिए संभावित छूट की बात भी कही गई। Exchange for Change के एक प्रवक्ता ने कहा कि 1 अक्टूबर 2027 से पहले दिए गए ऑर्डरों से जुड़े ऐसे खाली पेय कंटेनर, जो सामान्यत: योजना के दायरे में आते, शुरू होने के बाद भी भरे और बेचे जा सकते हैं, भले ही वे पूरी तरह नियमों के अनुरूप न हों। प्रवक्ता ने कहा कि इस व्यवस्था पर अभी चर्चा जारी है और यह नियामकों की मंजूरी पर निर्भर करेगी।

प्रवक्ता ने कहा, "इससे गैर-DRS-अनुपालक पैकेजिंग को योजना शुरू होने के बाद भरा और बेचा जा सकेगा, लेकिन केवल तभी जब वह 1 अक्टूबर 2027 से पहले दिए गए ऑर्डरों से जुड़ी हो। बातचीत जारी है और किसी भी छूट के लिए नियामकों की सहमति जरूरी होगी।"

संस्था ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रस्तावित छूट व्यापक रूप से लागू नहीं होगी। उसने कहा कि जमा-वापसी योजना की आवश्यकताओं पर खरी न उतरने वाली और 1 अक्टूबर 2027 से पहले दिए गए किसी ऑर्डर से जुड़ी न होने वाली पैकेजिंग को बाद में भरकर बाजार में नहीं उतारा जा सकता। इसका मतलब है कि जमा राशि का लोगो और योजना में पंजीकृत बारकोड न रखने वाली पैकेजिंग को छूट नहीं मिलेगी, जब तक उसे नियमों के अनुरूप न बनाया जा सके।

Exchange for Change ने कहा कि संक्रमण व्यवस्था का विस्तृत ब्योरा बाद में प्रकाशित किया जाएगा।

जमा-वापसी योजना अगले साल अक्टूबर में लागू होने पर 150ml से तीन लीटर तक के आकार वाले ऐसे एकल-उपयोग पेय कंटेनरों पर लागू होगी, जो पूरी तरह या मुख्य रूप से PET प्लास्टिक, एल्युमीनियम या स्टील से बने हों। योजना के दायरे में आने वाले कंटेनरों पर उपभोक्ताओं को 20p की वापसीयोग्य जमा राशि चुकानी होगी।

संक्रमण अवधि का फैसला पेय आपूर्ति शृंखला के सभी हिस्सों के लिए अहम है, क्योंकि उत्पादक और वितरक मौजूदा माल-सूची संभालने के साथ-साथ पैकेजिंग में बड़े बदलाव की तैयारी कर रहे हैं। खास तौर पर बीयर बनाने वालों, शीतल पेय निर्माताओं और रेडी-टू-ड्रिंक ब्रांडों को मिले अतिरिक्त समय से लॉन्च से पहले के स्टॉक पर एक साथ नए लेबल लगाने या उसे बाजार से हटाने का दबाव कम हो सकता है। इससे भंडारण, परिवहन और खुदरा वितरण में व्यवधान सीमित करने में मदद मिल सकती है, हालांकि अंतिम परिचालन असर इस बात पर निर्भर करेगा कि कितना स्टॉक बाजार में बचा है और आगे नियामकीय मार्गदर्शन कैसा रहता है।

यह मुद्दा खास तौर पर संवेदनशील रहा है, क्योंकि पेय क्षेत्र में अक्सर लंबे उत्पादन चक्र, पैकेजिंग के अग्रिम ऑर्डर और मौसम के अनुसार बदलने वाली माल-सूची होती है। पहले दिन से सख्त रोक लगने पर कंपनियों के पास ऐसे बिना बिके कंटेनर रह सकते थे जो योजना शुरू होने से पहले कानूनी थे, लेकिन नए चिह्न और पंजीकरण नियमों पर खरे नहीं उतरते। संक्रमण अवधि कारोबारों को इन उत्पादों को तुरंत हटाने के बजाय सामान्य बिक्री माध्यमों से निकालने के लिए अधिक समय देती है।

हालांकि, इस व्यवस्था से उत्पादकों के लिए नियमों के अनुरूप पैकेजिंग अपनाने की जरूरत खत्म नहीं होती। Exchange for Change द्वारा बताई गई सीमित छूट से बाहर, योजना शुरू होने के बाद के बाजार के लिए उत्पादित किसी भी कंटेनर को योजना की आवश्यकताओं का पालन करना होगा, जिनमें सही लोगो और योजना में पंजीकृत बारकोड शामिल हैं।

The Grocer ने पहले खबर दी थी कि संक्रमण अवधि को लेकर बातचीत चल रही है। उद्योग जगत को चिंता थी कि ऐसी अवधि न होने से आपूर्ति शृंखला में व्यवधान पैदा हो सकता है और कार्यक्रम शुरू होने से पहले पुराने स्टॉक को निकालना मुश्किल हो सकता है। सोमवार की घोषणा भरे हुए कंटेनरों के मामले में इस चिंता के एक हिस्से का जवाब देती है और पहले से ऑर्डर की गई कुछ खाली पैकेजिंग के लिए संभावित राहत का संकेत देती है, हालांकि उस पहलू पर नियामकीय मंजूरी मिलना अभी बाकी है।

यह योजना अगले साल पेय बाजार के सामने आने वाले सबसे अहम पैकेजिंग नियम बदलावों में से एक है। लॉन्च की तारीख नजदीक आने के साथ कंपनियां उत्पादन नियोजन, पैकेजिंग की खरीद, लेबलिंग, स्टॉक प्रबंधन और खुदरा विक्रेताओं के साथ तालमेल को प्रभावित करने वाली नई परिचालन आवश्यकताओं की तैयारी कर रही हैं।